हिन्दुस्तान

प्रशासनिक कार्यों में हिंदी को अधिक अपनाएं: मीनू

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में हिंदी भाषा के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें राजकीय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

सोमवार को एम्स ऋषिकेश में आयोजित हिंदी कार्यशाला का कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने हिंदी को सबसे सरल और आम बोलचाल की भाषा बताते हुए इसके अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में हिंदी को दैनिक स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है। उप-निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए हिंदी को देश की प्रमुख व प्राचीन भाषा बताया।

- **एम्स ऋषिकेश में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया**

प्रभारी अधिकारी राजभाषा डॉ. मुकेश पाल ने कहा कि संस्थान के सभी विभागों में हिंदी अपनाने और प्रशासिनक कार्यों को हिंदी में करने को कहा गया है। मौके पर उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रवि कुमार, वरिष्ठ लाइब्रेरियन डॉ. संदीप कुमार सिंह, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव, नीरज वर्मा आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला

प्रशासनिक कार्यों में हिंदी को दें प्राथमिकता

ऋषिकेश। एम्स में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला हुई। इस दौरान राजकीय और प्रशासनिक कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। सोमवार को कार्यशाला के समापन पर निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए पहल कर रहा है। हिंदी सरल भाषा है। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के दैनिक उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उप-निदेशक (प्रशासन) गोपाल मेहरा ने हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बताया। उन्होंने राजभाषा नियम और अधिनियमों की जानकारी भी दी।प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) मुकेश पाल ने सभी विभागों में हिंदी अपनाने को कहा। इस अवसर पर हिंदी में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। संवाद

स्वतंत्र चेतना

तीन दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम्स ऋषिकेश में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशासनिक एवं दैनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। समापन अवसर पर संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने हिंदी को सबसे सरल एवं आम बोलचाल की भाषा बताते हुए कहा कि राजकीय कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशासनिक कार्यों में दैनिक स्तर पर हिंदी को अपनाने का आह्वान किया। वहीं उप-निदेशक (प्रशासन) लेफ्टिनेंट कर्नल गोपाल मेहरा ने हिंदी को देश की प्रमुख एवं प्राचीन भाषा बताते हुए राजभाषा नियमों और अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यशाला के दौरान प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. मुकेश पाल ने कहा कि संस्थान के सभी विभागों में हिंदी को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक प्रशासनिक कार्य हिंदी में करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर हिंदी में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें प्रतिभागियों ने रुचि दिखाई। कार्यक्रम में उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रवि कुमार, वरिष्ठ लाइब्रेरियन एवं सूचना अधिकारी डॉ. संदीप कुमार सिंह, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव, नीरज कुमार वर्मा, स्वाति कैंतुरा, राजशेखर सहित विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

राजकीय कामों में हिंदी के प्रयोग पर जोर

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: हिंदी भाषा के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम्स ऋषिकेश में हिंदी कार्यशाला आयोजित की गयी। राजकीय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

तीन दिवसीय हिंदी कार्यशाला के समापन पर संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने हिंदी को सबसे सरल और आम बोलचाल की भाषा बताते हुए इसके अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में हिंदी को दैनिक स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है। उप-निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा ने हिंदी को देश की प्रमुख व प्राचीन भाषा बताया। उन्होंने राजभाषा नियम तथा अधिनियम संबंधी जानकारियां भी दीं। प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. मुकेश पाल ने बताया कि संस्थान के सभी विभागों में हिंदी अपनाने और प्रशासनिक कार्यों को हिंदी में करने को कहा गया है। हिंदी में प्रकाशित पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस दौरान उप चिकित्सा अधीक्षक डा. रवि कुमार, संस्थान के वरिष्ठ लाइब्रेरियन और सूचना अधिकारी डा. संदीप कुमार सिंह, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव मौजूद रहे।